VaiTa. 11; S'āliC. 6. 140; VedāntPāSau. 164. 7 (*on* ii. 1. 19); बाल: किं कमलाकरान् दिनमणिर्नोल्लासयेदञ्जसा RasāSu. 8. 17 (1. 55); Yādavā. 8. 21; इत्यञ्जसा प्रविशत: सलिलं द्युसिन्धु: S'aṅkaDigVi.(Mā.) 6. 70; Nalo. 3. 32; 4. 13; HariC.(Pa.) 7; YudhiVi. 2. 103; ChandoMañ. 2. 92; Nalābhyu. 3. 16; PārvPa. 4. 7; S'ṛṅgāBhū. 1; 36; RājTa.(Jo.) 229; 367; TantrSa. 1. 134; स पितृशापेन ··· विलयं प्रापदञ्जसा RājTa.(Srī.) 2. 208; अमलतां स्फटिकस्य धिगञ्जसा भजति रूपमुपान्तगतस्य य: Subhāṣi. 899. 851; क्रियते सीत्कृतमञ्जसा तया AnaṅgaRa. 10. 50; VidaMā. 4. 19; 5. 45; Acyutarā. 9. 27; लोको रम्य: कोऽपि वृन्दाटवीतो नास्ति क्वापीत्यञ्जसा बन्धुवर्गम्···भूयो गोष्ठं निन्ये StavMā. 210. 2; आघ्राणनादञ्जसा माद्यन्त्यन्यगजा: MātaLī. 1. 40; Nārāy. x. 51. 7; S'ilpaRa. ii. 17. 42; YātrāPra. 6. 70; MūkaPañ 2. 50; 2. 70; RasSa. 212; प्रभञ्जयन्नञ्जसैव जयध्वजान् ··· मारुत: ··· पराचक्रमे NīlaVi. 22. 16; Jīvān. 21. 5; 49. 7; यैरुक्तैः स्वस्वरूपं ज्ञायते सम्यगञ्जसा TantrRā. 36. 8; PuṣpBāVi. 15; VasaTi. 9. 13; S'ṛṅgāS'. 60; MahāN. 4. 19; SāhiSā. 2. 28; स्राग्झटित्यञ्जसाह्नाय AmaK. 2852; AnekāSa. 803; क्षिप्रं द्रुतमञ्जसा झटिति AbhidhāRaMā. 4. 12; 5. 96; AgniP. 360. 20; Vaija. 286. 31; AbhidhāCin. 1530; ViśvaPra. 191. 66; DharK. 2975; NānārthaSaṁ. 8. 70; MediK. 202. 81; NānārthaMa. 1918; ViśvaLoK. 418. 74; KośaKaTa. 2. 3007; KalpaK. 458. 3.

अञ्जसाकृत (añjasā-kṛta) *adj.* done rightly or justly or quickly अञ्जस उपसंख्यानं कर्तव्यम् । अञ्जसाकृतम् MahāBh. iii. 142. 19 (*on* vi. 3. 3); JaineVyā. 301. 25 (*on* iv. 3. 122); CāndraVṛ. *on* v. 2. 5; KāśiVṛ. *on* P. vi. 3. 3 = Prasā. i. 685. 20 = SiddhāKau. 212A. 8.

अञ्जसात्त (añjasātta) *adj.* [Vār. 1 (*on* P. vi. 3. 3)] (an attitude) assumed or adopted out of affection न तेन किंचित् तमसाकृतम् ··· प्रजायाम् । पुंसानुजायां नु यदञ्जसात्तो दोषावलोके जनुषान्धभाव: DvyāśraKā. 6. 10 (comm. अञ्जसात्त: स्नेहेनाङ्गीकृत:)

अञ्जसायन (añjasāyana) *adj.* [*f.* -ī] [Debru. p. 183] going or leading straight on सा यथा स्रुतिरञ्जसायन्येवमभिप्लव: षळह: स्वर्गस्य लोकस्य AitBr. 18. 3 (485); एता उ ह वै स्वर्गस्य लोकस्य मे पन्थावञ्जसायनौ यद् बृहद्रथन्तरे JaimiBr. 2. 383; स्वर्गस्य स्म लोकस्य पथोऽञ्जसायनान् मेत JaimiBr. 2. 419.

अञ्जसायनि (añjasā́yani) *adj.* (*f.*) [Debru. p. 183] going or leading straight on एते वै यज्ञस्याञ्जसायनी स्रुती TaiS. VII. ii. 1. 2 = VII. iii. 5. 3 = VII. iii. 7. 3 = VII. iv. 1. 3; एषा पङ्क्ति: स्वर्गस्य लोकस्याञ्जसायनि: स्रुति: TaiBr. III. xii. 5. 2.

अञ्जसायिनी (añjasāyin-ī) *adj.* (*f.*) going or leading straight, Jaiminīya - Ārṣeya - Brāhmaṇa. 1. 499 [Viśva.]

अञ्जसी (añjasī́) *f.* [Debru. p. 137, 224, 407] name of a (heavenly) river अञ्जसी कुलिशी वीरपत्नी पयो हिन्वाना उदभिर्भरन्ते R̥V. i. 104. 4.

अञ्जसीना (añjasīnā) *adj.* (*f.*) [Debru. p. 430] leading straight ahead, right, correct उत स्रुतिं विन्दत्यञ्जसीनाम् R̥V. x. 32. 7.

अञ्जस्कीय (añjask-īya) *adj.* (a sacrificer) who has gone straight (to heaven) एतेन वै (सत्त्रेण) नमी साप्यो वैदेहो राजाञ्जसा स्वर्गं लोकमैदञ्जसागामेति तदञ्जस्कीयानामञ्जस्कीयत्वम् PañcBr. xxv. 10. 17.

अञ्जस्त्व (añjas-tva) *n.* characteristic of the Añjas Sāman ततो वै तेऽञ्जसा स्वर्गं लोकमारोहन् । तदेवाञ्जसोऽञ्जस्त्वम् । तदेतत् स्वर्ग्यं साम JaimiBr. 3. 209.

अञ्जस्पा (añjas-pā́) *adj.* drinking instantly (i. e. talkative) इममञ्जस्पामुभये अकृण्वत धर्माणमग्निं विदथस्य साधनम् R̥V. x. 92. 2; तदिद् वदन्त्यद्रयो विमोचने यामन्नञ्जस्पाइव घेदुपब्दिभि: R̥V. x. 94. 13.

अञ्जस्य (añjasya) [Viśva. *w. r.* for **आञ्जस्य**] proper form, appropriateness, GopBr. i. 5. 10.

अञ्ज:सव (añjas-savá) *m.* immediate pressing (of Soma), accelerated Soma-feast अथ हैतं शुन:शेपोऽञ्ज:सवं ददर्श AitBr. 33. 5 (851); ते विश्वजितमेव सर्वपृष्ठम् । पृष्ठ्यस्य षडहस्याञ्ज:सवमपश्यन् S'atBr. XII. iii. 3. 6.

अञ्ज:सवकारीरी (añjassava-kārīrī) *f.* name of an Iṣṭi अथातोऽञ्ज:सवकारीरी BaudhS'S. ii. 148. 6; संतिष्ठतेऽञ्ज:सवकारीरी BaudhS'S. ii. 148. 10.

अञ्जान (añj-āná) *adj.* [*f.* -ā] **i** being anointed (with ghee, milk etc.) अग्निर्देवेभिरा गमत्···अञ्जान: सप्त होतृभिर्हविष्मते R̥V. iii. 10. 4; स पवस्व मदिन्तम गोभिरञ्जानो अक्तुभि: । इन्दविन्द्राय पीतये R̥V. ix. 50. 5; इमा नारीरविधवा: सुपत्नीरित्यञ्जाना ईक्षेत ĀśvaGS. iv. 6. 12; **ii** decorating, adorning (themselves) कन्याइव वहतुमेतवा उ अञ्ज्यञ्जाना अभि चाकशीमि R̥V. iv. 58. 9.

अञ्जारिका (añjārikā) *f.* name of a plant शिखिशिखयाञ्जारिकया सहिते सुरवारुणीकृताञ्जल्यौ । भगनिहिते भामिन्या दासीभावं च दासतां पुंस: RatiRaha. 15. 120.

अञ्जासा (añjāsā) *f.* a species of small grape [PW]

अञ्जि (añj-í) *adj.* **A** applying ointment (said of priests) ऊर्ध्वो वाजस्य सनिता यदञ्जिभिर्वाघद्भिर्विह्वयामहे R̥V. i. 36. 13 = VājaS. 11. 42; छन्दांसि वा अञ्जयो वाघत: AitBr. 6. 2 (145); रश्मयो वा एतस्याञ्जयो वाघत: S'atBr. VI. iv. 3. 10; **B** decorated, furnished with ornaments, branded or furnished with a mark दाना सचेत सूरिभिर्यामश्रुतेभिरञ्जिभि: R̥V. v. 52. 15; आश्विनमञ्जिमालभेताम् MaiS. ii. 5. 9; स एतमाश्विनमञ्जिमालभेत MaiS. ii. 5. 9; MānS'S. 135. 9; तदु वा आहुरञ्जयो वै प्रात:सवनं वहन्ति KauṣīBr. 14. 1 (62. 1) [NānārthāSaṁ. i. 47. 53 gives additional meanings straight, suggestive and white त्रिस्त्वृजौ व्यञ्जके शुक्ले]

अञ्जि (añjí) *n.* [sg.] **i** rouge, colour, decoration, ornament व्युच्छन्ती रश्मिभि: सूर्यस्याञ्ज्यङ्क्ते समनगाइव व्रा: R̥V. i. 124. 8; R̥V. iv. 58. 9; VājaS. 17. 97; मरुत: ··· । आ··· समानमञ्ज्यञ्जते शुभे कम् R̥V. vii. 57. 3; viii. 20. 11; बभ्रुरेको विषुण: सूनरो युवाञ्ज्यङ्क्ते हिरण्ययम् R̥V. viii. 29. 1; [pl.] ornaments, decorations ये पृषतीभिर्ऋष्टिभि: साकं वाशीभिरञ्जिभि: । अजायन्त स्वभानव: R̥V. i. 37. 2; i. 87. 1; अञ्जिषु प्रिया: R̥V. ii. 36. 2; v. 53. 4; अग्ने शर्धन्तमा गणं पिष्टं रुक्मेभिरञ्जिभि: R̥V. v. 56. 1; x. 78. 7; *m.* [pl.] **i** ornaments, decorations वक्ष:सु रुक्मा रभसासो अञ्जय: R̥V. i. 166. 10; श्रिये मर्यासो अञ्जीँरकृण्वत R̥V. x. 77. 2; **ii** lustres, splendours व्यञ्जिभिर्दिव आतास्वद्यौत् R̥V. i. 113. 14; ते क्षोणीभिररुणेभिर्नाञ्जिभी रुद्रा ऋतस्य सदनेषु वावृधु: R̥V. ii. 34. 13; ऊर्ध्वा अस्या अञ्जयो वि श्रयन्ते R̥V. vii. 78. 1; ता अञ्जयोऽरुणयो न सस्रु: R̥V. x. 95. 6; *m.* [sg.] sexual organ (both male and female) उत् सक्थ्योर्गृदं धेह्यञ्जिमुदञ्जिमन्वज TaiS. VII. iv. 19. 1; समङ्क्षि चारया वृषन् VājaS. 23. 21; उत् सक्थ्योरव गुदं धेह्यवाञ्चमञ्जिमा भर S'āṅkhāS'S. xvi. 3. 36; अञ्जिस्थाने अनुक्षणव्याघातस्य साधकतमं दार्ढ्यं परमकारणम् Paurūravasamanasijasūtra 10; [Kośas give additional meanings *m.* **1** *Mesua ferrea* (*hīnā*); **2** the plant *Cucurbita pepo* (*kumbhaphala*); **3** *Michelia Campaka* (cāmpeya); **4** *Merua* Roxburghii (*nāgakesara*) Vaija. 51. 82; **5** sender, commander (comm. *on*) Uṇā. 4. 139; *f.* grind-stone (peṣaṇī), NānārthāSam. i. 47. 53]

अञ्जि (añj-i) (Gr.) the root *añj*- अञ्जे: सिचि P. vii. 2. 71; अञ्जेश्चोपसंख्यानं संज्ञायाम् Vār. 2 (*on* iii. 1. 109); अञ्जिराजिवानिति MahāBh. i. 200. 10 (*on* i. 2. 18); Kātan. iii. 7. 8; JaineVyā. v. 1. 130; CāndraVyā. v. 4. 168; यत् हि करणगोचरं तत् व्यक्तम् उच्यते, अञ्जे: धातो: तत्कर्मकत्वात् GītāBh.(S'aṅ.) 340. 7 (*on* 12. 1); SaraKaṇṭhā.(Gr.) ii. 1. 78; ii. 1. 153; SiddhaHe. iv.4. 84.

अञ्जिक (añjika) *m.* **1** name of a son of Yadu बभूवुस्तु यदो: पुत्रा: पञ्च देवसुतोपमा: । सहस्रद: पयोदश्च क्रोष्टा नीलोऽञ्जिकस्तथा HariVaṁ. 23. 134 = BallāC. 52. 22; BrahmP. 13. 154; **2** name of a demon (son of Siṁhikā) सैंहिकेया इति ख्यातास्त्रयोदश महाबल: ।···अञ्जिको नरकश्चैव कालनाभस्तथैव च । ··· एते वै दानवा: श्रेष्ठा: BrahmP. iii. 3. 88.

अञ्जिका (añjikā) *f.* **1** name of an evil spirit seizing a child and causing some kind of illness (तत्र बालचिकित्साया: प्रकारा बहुधा स्मृता:) अञ्जिका नाम नवमत्रये चेष्टा ज्वरस्तथा ।··· मुञ्च बालकं ठठ ĪśānS'iPa. i. 41. 34; **2** a kind of script अञ्जिका ··· लिपिविशेष: DhātuVṛ. VII. 21.

अञ्जिकूल (añji-kūla) *m.* name of a village आञ्जीकूलो नाम ग्राम: ।··· अञ्जिकूल इति भोज: GaṇRa. 5. 330 (369)

अञ्जिग (añjiga) *m.* name of a demon (dānava) स्वपस आञ्जिगस्य सामनी द्वे । आञ्जिगस्य (v. l. अञ्जिगस्य) दानवस्य वा ĀrṣeBr. iii. 3. 8.

अञ्जित (añj-ita) *adj.* [*f.* -ā] **i** anointed, smeared over सूक्ष्मेणाञ्जनचूर्णेन नभ: कृत्स्नमिवाञ्जितम् Rāmā. i. 796*(1); तव चरणरजोऽञ्जिताग्र (v. l. °ञ्जिताग्र) केशो यदि स भवेदिह को नु मद्विशिष्ट: Avimā. 6. 4; एवं हि त्रिविधं यागम् ··· । द्रव्यै: ··· अञ्जितै: स्थापितैर्बर्हि: । तृतीयम् PauṣkS. 26. 44; AṣṭāSaṁ. i. 165. 12 (1. 32); एकेनाक्ष्णाञ्जितेनैव श्रुत्वा भीममुपागतम् ।··· धावति VāmaP. 53. 26; शर्करा उपधत्तेऽक्ता: ··· । तैलादिनाञ्जिता अक्ता: NyāyMāVi. 59. 2 (*on* i. 4. 19); हिङ्गुमरिचशिखिपित्तैरञ्जितस्य (गजस्य) प्रत्यञ्जनं कुर्यात् Hastyāyur. 218. 17 (2. 21); 185. 27 (2. 10); 239. 12 (2. 33); धवलाञ्जनेन करभीनेत्राण्यञ्जितानि KathāK. 94. 25; **ii** coloured, tinted, affected स च काममयो देव: कामभावनयाञ्जित: BṛĀraUBhVā. iii. 9. 50; iv. 3. 449; iv. 4. 136; BṛĀraUBhVā.(Sambandha.) 233; **iii** (ointment, salve etc.) applied, smeared (on the body or limb) पुष्याहृतं शुन: पित्तं हन्त्यपस्मारमञ्जितम् ĪśānS'iPa. i. 44. 16; स्रोताख्यमञ्जितं नेत्रे दिवानक्षत्रदर्शकम् ĪśānS'iPa. i. 51. 10; **iv** adorned, decorated, possessing किङ्किणीवलयहारनूपू(? पु)रैरञ्जितं नमत गोपबालकम् PañcaRā.(Nā.) v. 1. 60; सुवर्तुलै: पाण्डुरशोणनीलैरनेकाक्षिभिरञ्जितानि । करालदंष्ट्राणि भयंकराणि भास्वन्ति वक्त्राणि तथापराणि Vidva-